>

Title: Need to accord the status of a Special State to Bihar.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा): महोदय, मैं इस सदन के माध्यम से बिहार राज्य को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने संबंधी मुद्दा शून्य काल में उठाने के लिए आपकी अनुमति चाहता हूं। बिहार राज्य का बंटवारा सन् 2000 में हुआ। बिहार बंटवारा बिल, 2000 पर इसी सदन में चर्चा के समय माननीय तत्कालीन उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने कहा था कि बंटवारे के बाद बिहार में कुछ नहीं रह जाएगा। इसलिए बिहार के साथ केंद्र सरकार पूरा न्याय करेगी। मैं इस सदन के माध्यम से पूछना चाहता हूं कि केंद्र सरकार ने अभी तक कौन सा ऐसा कदम उठाया है, जिससे बिहार विकसित राज्यों की दौड़ में सम्मिलित हो सके? इसके उद्योग-धंधे कोयला, लोहा इत्यादि खनिज, खान बंटवारे के बाद झारखंड चले गए। बिहार में केवल खेती-बाड़ी रह गयी है। बिहार की भौगोलिक संरचना ऐसी है, जहां हमेशा बाढ़ और सुखाड़ आते रहते हैं।

सभापति महोदय : आप अपनी डिमांड रखिए।

श्री कौशलेन्द्र कुमार : महोदय, बिहार में उद्योग-धंधे नहीं हैं। बिहार में बेरोजगारी बढ़ रही है। बेरोजगार लोग गुमराह होकर नक्सलियों की शरण में जा रहे हैं, जिससे नक्सली गतिविधियां भी बढ़ रही हैं। बिहार के माननीय नेता नीतीश कुमार जी ने जब से गद्दी संभाली है, तभी से वह बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने के लिए आंदोलन कर रहे हैं। इसी क्रम में बिहार विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पास किया कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाए। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग किसी एक पार्टी विशेष की नहीं, बल्कि बिहार के जन-जन की मांग है।

जब बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलेगा, तभी बिहार अन्य विकसित राज्यों की दौड़ में शामिल हो सकता है। बिहार की जनता ने पिछले दिनों दिल्ली मे विशेष राज्य की मांग के लिए धरना-प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री जी से मिलकर एक ज्ञापन सौंपा।

सभापति महोदय : आप अपनी भावना व्यक्त कर दी है।

श्री कौशलेन्द्र कुमार : बिहार के सवा करोड़ लोगों के हस्ताक्षर भी, इस पर प्रधानमंत्री ने बिहार के इस मांग को राष्ट्रीय विकास परिषद की बैठक में रखने का फैसला किया लेकिन अभी तक प्रधानमंत्री ने इस मामले में कुछ भी नहीं किया है। मैं सदन के माध्यम से मांग करता हूं कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दी जाए और बिहार के दस करोड़ जनता की भावना का आदर किया जाए।

सभापति महोदय : श्री भूदेव चौधरी, श्री बैद्यनाथ प्रसाद महतो, तथा श्री महाबली सिंह जी श्री कौशलेन्द्र कुमार के विषय से अपने को संबद्ध करते हैं।